आज का पुरुषार्थ 2 March 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"जिन्हें लोग आज भी पूजा रहे है .. वह भगवान मेरा पिता है .. कहावत है जैसा बाप वैसे बच्चे .. तो जो उनके संस्कार वही संस्कार अब मुझ में दिखने चाहिए "*

इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर हम सभी महान आत्माओं को एक सुन्दर भाग्य मिला है के, भगवान ने स्वयं आकर कहा ..

" बच्चे, मैं तुम्हारा हूँ "

हम भी बहुत प्यार से कहते है ..

" मेरा बाबा "

यह कहने के साथ हमें उनसे अपनापन भी फ़ील होना चाहिए। गहराई से चिन्तन करे ..

" जिन्हें लोग भगवान कहते है, वह मेरा है .. वही मेरा परम **शिक्षक** है .. जिन्हें लोग **सर्वशक्तिमान** कहते है .. वह मेरा साथी है .. वह मेरा परम सदगुरू है "

यह मेरे पन के फीलिंग बहुत बढ़ानी है। अगर हम सारा दिन यह याद रखेंगे

" वो मेरा है " >> तो यह भी योगयुक्त स्थिति हो गई।

और बाबा ने कह दिया →

" जो प्यार से कह दिया .. ' मेरा बाबा ' बाबा हजार बार बंधा हुआ है उनको मदद करने के लिए "

उनको सहयोग मिल जाता है। क्योंकि " **जो मेरा है, उनसे सहयोग अवश्य मिलता है** "

तो हम सभी इस गुड feeling को बहुत बढ़ाते चले के →

" बाबा मेरा है .. मेरा गुड फ्रेंड है .. मेरा सहयोगी है .. मेरा साथी है .. बाबा मेरे साथ है .. सदा मुझे मदद करता है .. सदा मेरी हर बात सुनते है .. वो मेरा है "

तो बाबा भी आवाज़ देगा →

" बच्चे, मैं तुम्हारा हूँ .. और मेरा सबकुछ तुम्हारा है .. और मैं तुम्हारे लिए हूँ , हर समय .. मुझसे फायदा उठाओ "

' **भगवान हमारे है** .. वो हमारे लिए है .. रोज सवेरे हमें उठाते है .. हमें पढ़ाते है .. हमारी पालना करते है .. हमें ब्रह्माभोजन खिलाते है .. जब भी हम बुलाते है आ जाते है .. वो हमारे लिए है "

यह बहुत गुड feeling हमें अपने जीवन में लगातार बढ़ाते चलनी है। तो दिल से कहेंगे →

" बाबा मेरा है .. वही मेरा सबकुछ है .. वही मेरा संसार है .. तो उसकी संस्कार ही मेरे संस्कार है "

फिर मेरे संस्कार संस्कार मुझे तंग करते है .. यह भावना समाप्त कर देनी है। मेरे प्युयोर संस्कार, मेरे चित के संस्कार, मेरे अहंकार के संस्कार, या क्रोध के संस्कार, या मुड आफ करने के संस्कार, या बहुत फीलिंग के संस्कार।

यह संस्कार मेरे, भगवान के बच्चों के कदापि नहीं। **शोभा ही नहीं देगा।** कोई सुने, कि भगवान के बच्चे और feeling में .. तो उन्हें कैसा लगेगा?

कोई सुने यह भगवान के बच्चे है और इनका मुड आफ .. कैसे फीलिंग होगी? कौन मानेगा कि यह भगवान के **संतान** है? तो हम अपने **संस्कारों** को चेंज करे।

जबकि हम सराज्य अधिकारी है, जबकि हम मास्टर सर्वशक्तिमान है .. तो हमें पावर है अपने **संस्कारों** को change करने की। यह दोनों स्वमान हम बढ़ाये।

आज प्रैक्टिस करेंगे →

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. और .. मैं सराज्य अधिकारी हूँ .. संस्कारों के मालिक .. मेरे संस्कार डिवाइन "

अपने जो भी संस्कार है, तीन संस्कार सामने लाओ, बूरे है? चाहे वह क्रोध के है, impurity के है, feeling के है, mood off करने के है, जिद् के है, सिद्ध करने के है, दूसरों को तंग करने के है, अहंकार के है ..

तीन लाओ, और संकल्प दो .. **" यह मेरे संस्कार नहीं है "**

अब मेरे संस्कार कौन से है?

" वे, जो बाबा के है .. **मैं सुखदाई हूँ** .. मैं सबके लिए कल्याणकारी हूँ .. मैं सबको आगे बढ़ाने वाली हूँ .. मैं प्रेम बांटने वाली हूँ .. मैं दाता के बच्चे दाता हूँ .. मैं सदा खुश रहने वाली हूँ .. मैं महान हूँ "

तो यह संस्कार बदलते जायेंगे। सुन्दर संस्कार आते जायेंगे। तो आज सारा दिन दो स्वमान प्रैक्टिस में लायेंगे और अपने देव स्वरुप को सामने रखेंगे।

देव स्वरुप और फ़रिश्ता स्वरुप

" यह दोनों मेरे स्वरुप है .. इनके संस्कार ही मेरे संस्कार है "

ऐसे गुड फीलिंग अपने को देंगे ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org